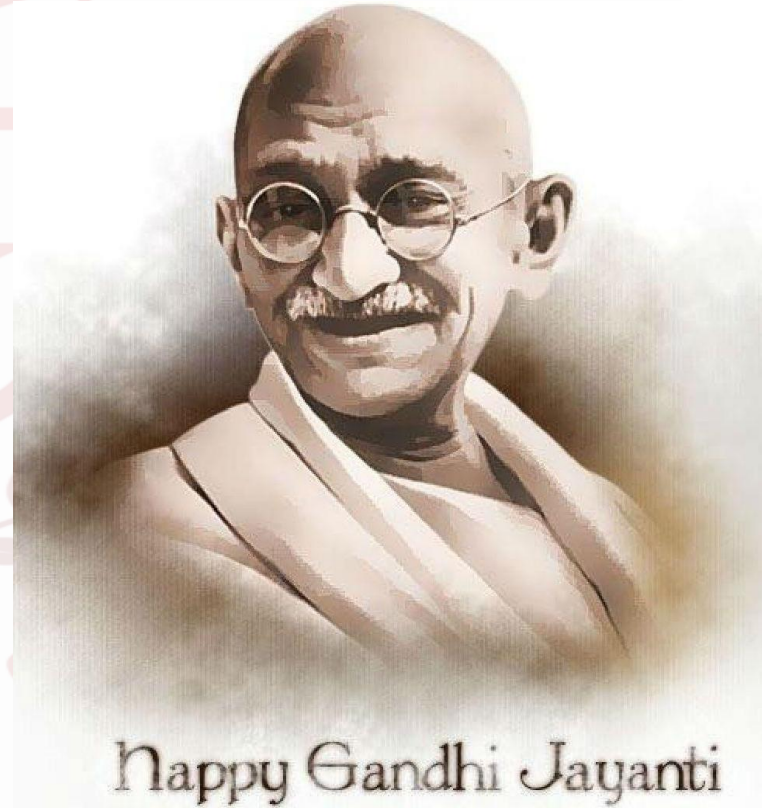




**St. Peter's Jr. College of Science & Commerce**

**Welcome**  
**2<sup>nd</sup> October**  
**Assembly**  
**on Occasion of**  
**Gandhi Jayanti**



*Happy Gandhi Jayanti*



# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce



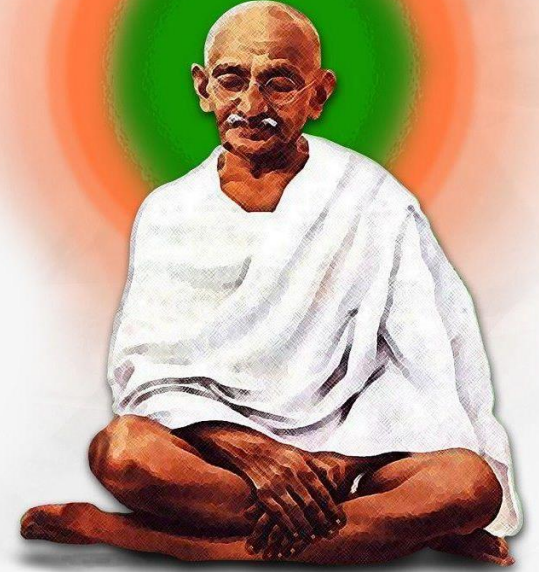
***Almighty God,  
I thank you that  
Even in today's world,  
I can find peace in you.  
Help me not to be  
overwhelmed by the  
constant bad reports  
of the world. Help me  
Keep my eyes on you  
and be enveloped by  
your peace. In Jesus  
Loving Name I Pray, Amen.***



# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce

Born in Porbandar Gujarat, he was a lawyer by profession. His wife's name was Kasturba Gandhi. He never accepted British culture and rule. He struggled a lot and played the most important role in making India free from British rule. Khadi Movement, Non-cooperation Movement, 'Quit India Movement' were some of the most effective movements under the leadership of Bapu that led to our independence in 1947. On 30th January 1948 his simple yet magnificent life came to an end. He may be no longer with us but as the opening quote says it all, his teachings will always inspire us.

So, let us contribute towards the growth and development of our country to take his legacy forward.

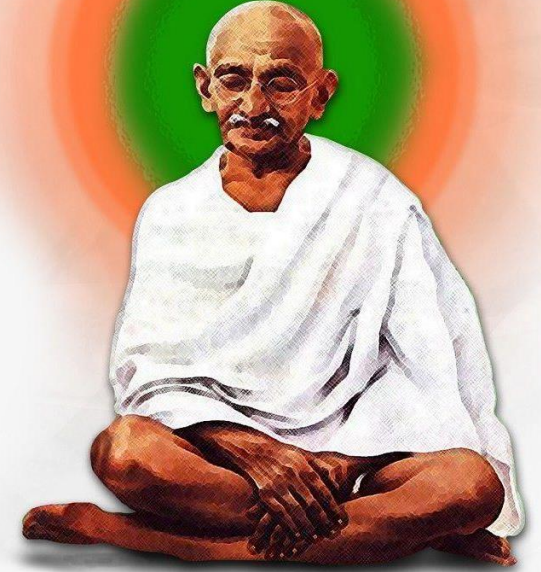


अहिंसा परमो धर्मः  
धर्म हिंसा तथीव च



# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce

महात्मा गांधीजी को 'भारतकेपिता' की उपाधि दी गई क्योंकि उन्होंने अपने लक्ष्यों को पुराकरने के लिए अहिंसा का मार्ग अपनाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा जैसे एक अंतर्राष्ट्रीय संगठनने उनकी जयंती अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूपमें चिन्हित किया है जो 2 अक्टूबर है। यह वास्तव में अविश्वसनीय है कि कैसे एक बैरिस्टर जो लंदन की अदालत में भाषण देने के लिए इतना घबराया था, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व कर ने चला गया। गांधी जयंती के बारे में जानने से पहले, उस आदमी के बारे में खुद सीखना जरूरी है। महात्मा गांधीजी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। उन्होंने पोरबंदर नाम के शहर में गुजरात राज्यमें जनम लिया। गांधीजी ने स्वराज को प्राप्त करने के लिए उनकी अथक मेहनत और परिश्रम वास्तव में सराहनीय है। केवल इतना ही नहीं, बल्कि गांधीजीने भारत को एकसमावेशी देश बनाने के लिए अन्य समाजिक बुराई यो से छुटकारा पाने के लिए भी काम किया।

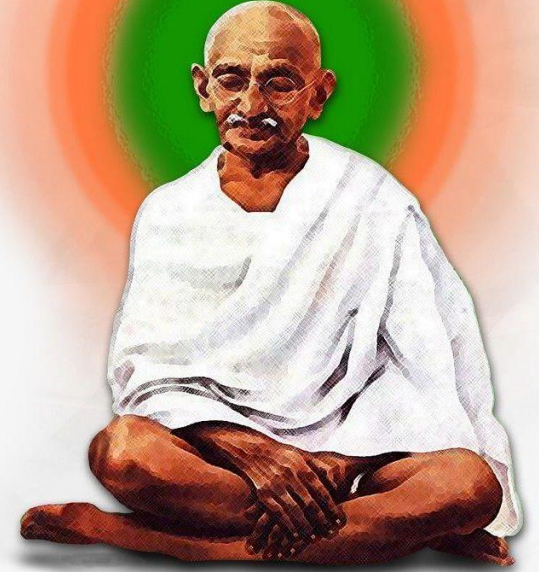


**अहिंसा परमो धर्मः  
धर्म हिंसा तथीव च**



# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce

उनहोंने छुआछूत की व्यवस्था हटाने के लिए अनेक अथक प्रयास किया जो उस समय बहुत प्रचलित था। इसके अलावा उनहोंने महिलाओं को सशक्त बनाया और भारतीय किसानोंकी आर्थिक स्थिती को बढ़ानेके लिए काम किया । यही नहीं उनहोंने 3 प्रमुख आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । वे असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च और भारत छोड़ो आंदोलन थे । दूसरे शब्दोंमें वह भारतको ब्रिटिश शासन से आजादी दिलाने में मदद करने वाले सब से महत्वपूर्ण आंकड़ों में से एक है । पूरा देश खुशी से गांधी जयंती मनाता है। सरकारने इसे राजपत्रित घोषित किया है और सभी स्कूल, कॉलेज, कार्यालय, बैंक आदि बंद रहते हैं । महात्मा गांधीजी के शमशान घाट, राजघाट को इस दिन माला और फूलों से सजाया जाता है।गांधी जयंती पर दुनिया भरके लोग इस महान नेता को श्रद्धांजलि देते हैं।यह कहना उचित होगा कि गांधीजी वास्तवमें लोकतंत्र का समर्थन करने वाले सबसे महान व्यक्ति थे।

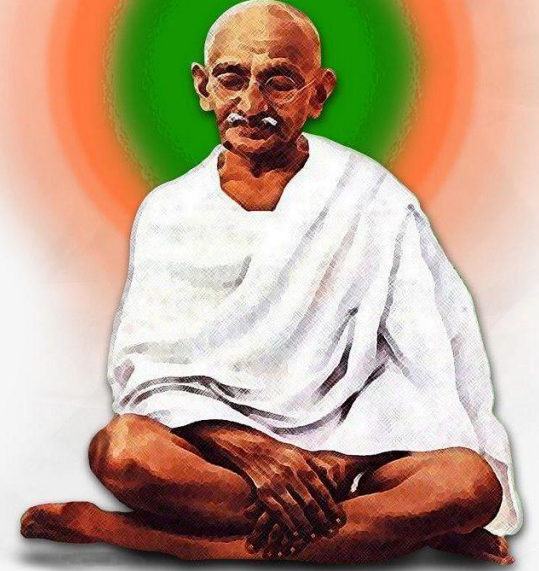


**अहिंसा परमो धर्मः  
धर्म हिंसा तथीव च**



# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce

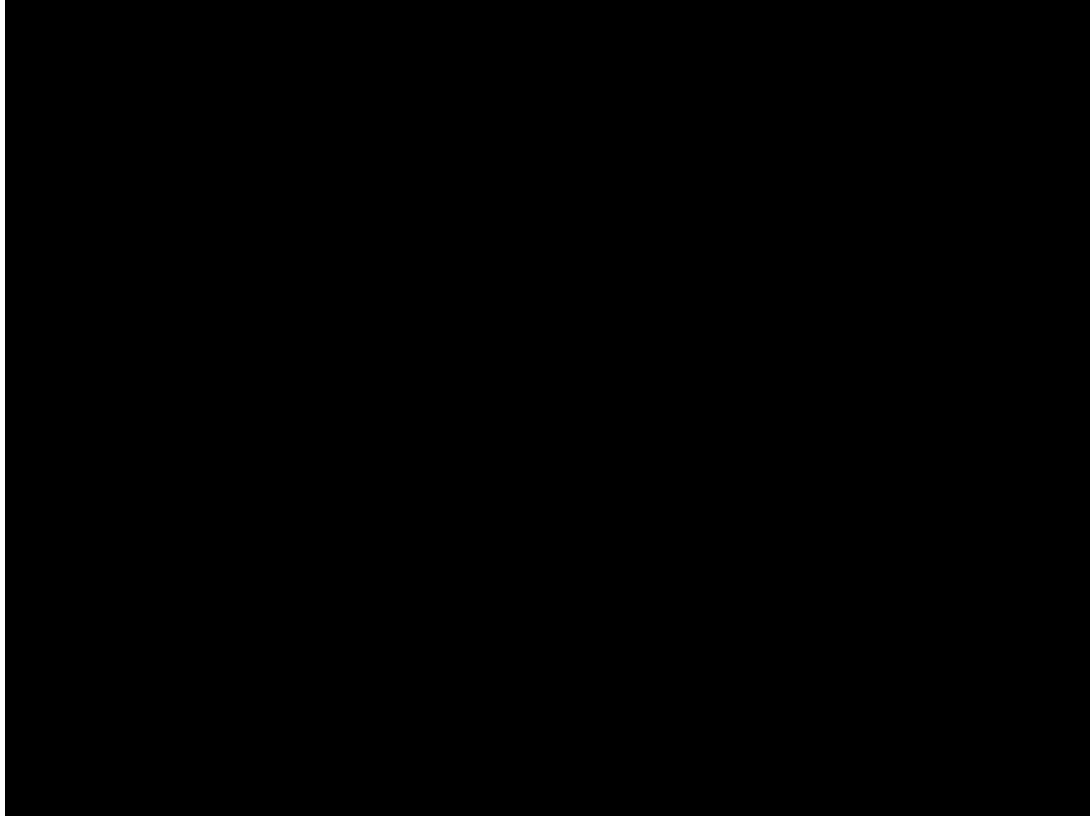
उनहोंने स्वतंत्र के लिए अपनी लडाई और सामाजिक मुद्दा के उन्मूलन के लिए कुछभी नहीं होने दिया । सत्य और अहिंसा के उनके सिद्धांत और केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, वास्तव में पूरी दुनिया उन्हें और उनकी शिक्षाओ का पालन करती है । हालांकि उनकी हत्या कर दी गई थी, लेकिन इसने उनके शरीर को मार डाला क्योंकि उनके विचार लोगोंके दिलो में बसते है ।



अहिंसा परमो धर्मः  
धर्म हिंसा तथीव च



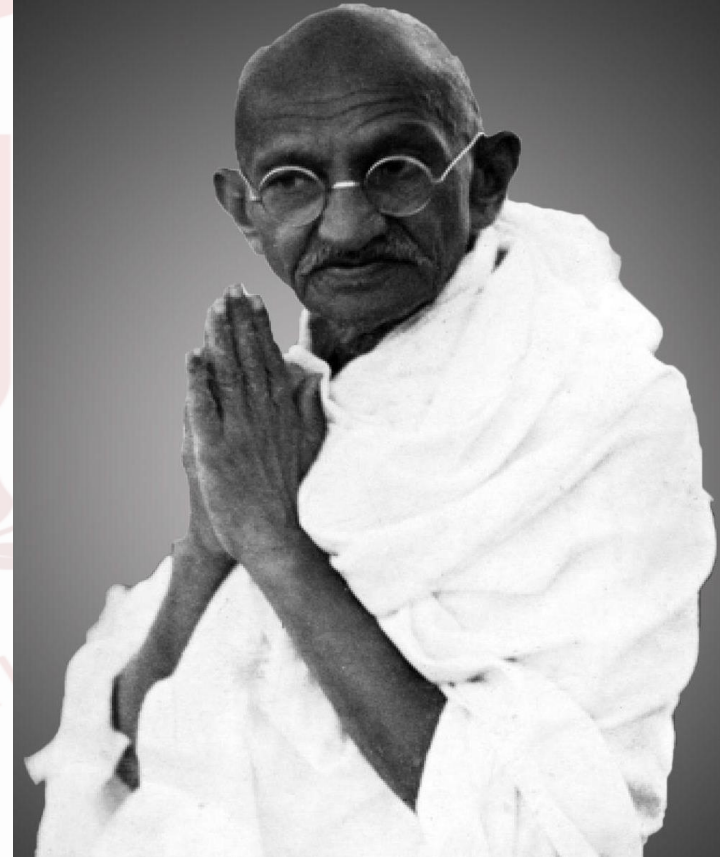
# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce





# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce

He lit the freedom's flame,  
Gandhi was his name.  
No violence and no gun,  
But got the job well done.  
He walked the several miles,  
To awaken the suppressed smiles.  
Tolerance and the power,  
He offered like a shower.  
He gave the only most,  
Never asked for post.  
He fought till the finish,  
And fulfilled the country men wish.  
He was undying inspiration,  
Being the father of our nation.  
Let's preserve what he gave,  
Be wise and the brave...





सेंट पीटर्स कनिष्ठ महाविद्यालय वसई(प)

माहात्मा गांधी जंयती के अवसर पर आयोजित  
साक्षात्कार समारोह



प्रमुख अतिथी-‘द आर्यन मॅन हार्दिक पाटिल’

करोना संकमण के काल में अपने स्वास्थ्य के लिए  
हमे मैदान/कसरत से जुडे रहना है।



# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce

**Thank You**

*Semper Ad Meliora*



# St. Peter's Jr. College of Science & Commerce

